(ग) यदि हां, तो ये अनदेश कब तक दिये जायेंगे ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) से (ग). मार्च, १९६१ में यह अनदे जारी किया गया कि चुने हुए अनभागों में जिनमें कि अधिकांश लोग पहले से ही हिन्दी जानते हैं, अंग्रेजी के अलावा, प्रयोगात्मक रूप से, हिन्दी के व्यवहार की भी छट दे दी जाय । विभिन्न मंत्रालयों में इसके लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है ।

विदेश भेजे गये सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडल

९२९. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिसम्बर, १९६० से जून, १९६१ तक कितने सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडल विदेश भेजे गये ;

(ख) ये प्रतिनिधि मंडल किन किन प्रयोजनों के लिये भेजे गये थे ; और

(ग) उन पर कुल कितना व्यय हुआ ?

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायूं कबिर) : (क) १४.

(ख) विदेशों से सांस्कृतिक सम्बन्ध बढ़ाने के लिये ।

(ग) रुपये १,९१,६३२.८२ नये पैसे ।

निजी थैलियां

९३०. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजे-महाराजों की निजी थलियों की राशि जो उन्हें उत्तराधिकार में मिलती है, कुछ कम कर दी गई है ; और

(ख) यदि हां, तो उन राजे महाराजों के नाम क्या हैं और उनकी मूल तथा कम की गई निजी थैशियां की क्रमशः राशियां क्या हैं ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) जी

(ख) राजे-महाराजों के नाम

	मूल राशि रुपये	कम की गई राशि रुपये
डेलाथ के ठाकुर	३,०००	२,०००
महाराजा बीकानेर	१७,००,०००	१०,००,०००
बेजा के ठाकुर	३,०००	२,४००
महाराजा बड़ौदा	२६,५०,०००	१४,५४,०००
महाराजा जोधपुर	१७,५०,०००	१०,००,०००
ढाडी के ठाकुर	३,०००	२,४००
डारकोटी के राना	३,०००	२,४००
महाराजा मनीपुर	३,००,०००	२,५४,०००
मंगाल के राना	३,०००	२,४००
भोपाल के शासक	११,००,०००	६,७०,०००
महाराजा बस्तर	२,१०,०००	१,५०,०००
कलसिया के राजा	६५,०००	६०,०००

प्रारम्भिक हिन्दी एकक

९३१. **श्री क० भे० मालवीय** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने प्रत्येक मंत्रालय में प्रारम्भिक हिन्दी एकक बनाने का निश्चय किया है ;